परमेश्वर के लोग देह की नाई एक साथ कार्य करते हैं

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु इस अध्ययन को बच्चों की सहायता के लिये इस्तेमाल कर कि वे एक दूसरे की सेवा करे जो कुछ भी वे कर सकते हैं एक साथ काम करके जैसे व्यक्ति की देह के विभिन्न अंग करते हैं"।

बच्चों की इन सीखने वाली गतिविधियों में से को चुन लें जो उनकी आयु और जो समय उपलब्ध है उसमें सही बैठती हैं।

तस्वीर की पहेली एक साथ रखो।

- एक बड़े कागज के टुकड़े पर एक बच्चे के शरीर की साधारण रूप रेखा खिचें। (जितना बड़ा हो बेहतर है) इसे बच्चों को दिखायें।
- इसे टुकड़ों में काटो और हर बच्चे को कम से कम एक टुकड़ा दें। बच्चों को पहेली एक साथ रखने दें टुकड़ों को जोड़ें जहाँ भी फिट होते हैं। बड़े बच्चों को छोटे बच्चों की सहायता करने दें।
- यदि झुन्ड छोटा है तो समय से पहले टुकड़ों को कमरे में छिपा दें। बच्चों को ढूंढ़ने दें।
- यदि झुन्ड बड़ा है तो कई तस्वीरों को टुकड़ों में काटो समय से पहले और उन्हें अलग रखें। बच्चों के कई झुन्ड बनायें और हर झुन्ड को एक तस्वीर दें।
- जब बच्चे अपने कागज के टुकड़ों को तस्वीर के साथ जोड़ें तब हर बच्चा कुछ ना कुछ कहें कि परमेश्वर उन्हें चाहता कि वे करें। उदाहरण बतायें: माता पिता का आदर करें, परमेश्वर पर विश्वास करें परमेश्वर से प्रेम करें लोगों को प्रेम करें। शत्रुओं को क्षमा करें एक दूसरे की सेवा करें, लोगों को यीशु के विषय बतायें, आराधना करें, प्रार्थना करें बाइबल अध्ययन करें आदि।
- बड़े बच्चे छोटे बच्चों को सोचने में सहायता करें कि जो परमेश्वर चाहता है कि वे करें।

बड़ा बच्चा या शिक्षक 1 कुरिन्थि 12:4-26 से देह का उदाहरण वर्णन करें।

- हम अपनी मंडली को "देह" कहते हें क्योंकि हम सब प्रभु यीशु मसीह के हैं। वह हमारा सर है और हम उसकी देह हैं।
- परमेश्वर अपनी कलीसिया में लोगों को एक दूसरे की सेवा करने विशेष कार्य देता है।
- ये लोग विशेष कार्यो के साथ हमारी देह के भाग है जो साथ साथ काम करते हैं।

प्रश्न पूछें कि हम कैसे एक देह की तरह काम करते हैं *[उत्तर हर प्रश्न के बाद में दिये हैं]*

- वे क्या काम है जो लोग मन्डली में कर सकते हैं? *[देखें पद 8-10]*
- कौन हर एक को आत्मिक वरदान देता है? *[पद 11]*
- पवित्र आत्मा विश्वासियों को मसीह में किस में बपतिस्मा देता है? *[पद 12-14]*
- यदि पूरी देह आँख होती तो क्या कमी होती? *[पद 17]*
- जब देह में एक व्यक्ति दु:ख पाता या आदर पाता तो हम क्या करते? *[पद 26]*

बच्चों को दिखाने दें कि देह कैसे काम करती है जब लोग एक दूसरे के साथ काम नहीं करते:

- बतायें कि पांव वे व्यक्ति हैं जो दूसरो के पास परमेश्वर का सुसमाचार ले जाते हैं। तब कहते, "हमें दिखाओ कि यदि एक पांव ने आना काम नहीं किया तो शरीर कैसे चलता है" (बच्चों को कूदने दीजिये)

- ऐसी ही आँख के साथ करें (लोग जो देखते हैं परमेश्वर क्या चाहता कि हम करें)

  1 कुरिन्थि 12 के भागों को नाटक में कीजिए

- मुख्य मन्डली के अगुवे के साथ प्रबन्ध करें कि बच्चे बड़ों को ये नाटक दिखा सकें। आप उसका एक हिस्सा स्तेमाल करें बड़े बच्चे इसकी तैयारी में सहायता करें।

  बड़े बच्चे को परमेश्वर की आवाज़ बोलने दें।

  एक शिक्षक या बड़े बच्चे को जो अच्छी तरह पढ़ा सकें शिक्षक की भूमिका करने दें।

  दूसरे बच्चे पांव हाथ आँखें और कानो की भूमिका करें।

शिक्षकः पद 4–13 का वर्णन करें। तब कहें "सुनो कि परमेश्वर की आत्मा क्या कहता है"।

परमेश्वर की आवाज़ः "आओ देह का हिस्सा हो जाओ। जब मैं तुम्हारा बपतिस्मा दूं तो तुमको मसीह की देह में ले आता हूँ और तुम हर एक को विभिन्न कार्य करने को देता हूँ। इन कार्यो को करने की योग्यता मैं देता हूँ। इन आत्मिक वरदानो को एक दूसरे की सेवा के लिये इस्तेमाल करो"।

पांव हाथ आँखें और कानः हाथ मिला कर घेरा बनाते हैं एक बार घुमाते हैं। यदि झुन्ड बड़ा है तो घेरे में घेरा बड़ा बनाओ।

शिक्षकः पद 14–21 बयान करता है "तक कहता है,"सुनो दो सुस्त पांव क्या कहते हैं"

पांवः घेरा छोड़कर चिल्लाते हैं "कोई हमारी चिन्ता नहीं करता, हम घेरे को छोड़ देंगे!"
"यदि मैं हाथ नहीं हूँ तो मैं सेवा नहीं कर सकता! मैं हाथ होना चाहता हूँ।" (जो घेरे में हैं वे गिर पड़ते हैं)

कानः (गुस्से से) "मैं केवल कान हूँ"
"मुझे आँख होना चाहिये था!" (घेरा छोड़े देता है)

हाथः "मैं हाथ हूँ सबसे महत्वपूर्ण!"
"मुझे तुम में से किसी की जरूरत नहीं"(छोड़ देता है)

आँखें: "मैं आँख हूँ! नाक मुझे तुम्हारी जरूरत नहीं!"
"तुम्हारे बिना मैं अच्छी तरह देख सकती हूँ" (छोड़ देती है)

शिक्षकः 22–26 पदों को बयान करो। तब कहो, "पवित्र आत्मा क्या कहती है सुनो"

परमेश्वर की आवाज़ः "तुम सब घेरे में आ जाओ, परमेश्वर तुम में से हर एक को इस्तेमाल करता है"।

पांव, हाथ आँखें और कानः घेरे में आ जाते हैं और फिर एक बार घुमाते हैं।

शिक्षक या बड़ा बच्चाः उन सब को धन्यवाद देता है जिन्होंने नाटक में सहायता की। यदि बच्चे इस कहानी को बड़ों के सामने प्रस्तुत करते हैं, तो बड़ों से ऊपद दिये प्रश्न पूछने दें।

चर्चा या वार्ताः बच्चों और बड़ों से कहें कि वे तरीके बतायें जिससे हम अपने विभिन्न आत्मिक वरदानो के साथ एक दूसरे की सेवा करते हैं।

हाथ की एक साधारण तस्वीर बनायें और बच्चों को कापी करने दें आने वाली आराधना में उन्हें अपनी तस्वीर बड़ों को दिखाने दें और बतायें कि ये प्रगट करता है कि परमेश्वर कैसे हमें विभिन्न योग्यताएं देता है जिससे हम एक दूसरे की साथ कर सकें जैसे देह के विभिन्न भाग करते हैं।

कंठस्त करना छोटे बच्चों को गलतियों 5:13 सीखने दें और बड़ों को इफिस्सि 4:15–16

कविताः पांच बच्चे हरएक भजन 100 से एक पद का कविता पाठ करें।

बड़े बच्चों कोः हम कैसे एक देह में साथ काम करते हैं इस विषय पर कविता गीत लिखने दें। वे इसे सप्ताह के बीच में कर सकते हैं।

प्रार्थनाः "प्रिय प्रभु, धन्यवाद कि आपने हमारे झुन्ड में सिखाने का एक काम दिया। हमें एक दूसरे की सेवा करने के सहायता कर। हमें ये योजना से अलग रख कि हम दूसरे लोगों से अधिक महत्वपूर्ण है। हमें स्मरण करने में सहायता कर कि हर विश्वासी आपके लिये महत्वपूर्णा है"।